नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिए, बिबिए र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि।
नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक
भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक ३५६ वि.सं. २०८२ असार ३२ गते बुध थारु सम्वत (२६४८) [Wednesday 16 Juny 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

बन्धा टल्वामे पूर्वाधार निर्माण कैटी

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, ३१ असार । कञ्चनपुरके बेलौरी नगरपालिका-४ स्थित पर्यटकीय गन्तव्य बन्धा टल्वाके पर्यटन विकासके लाग पूर्वाधार निर्माण सुरु करल बा ।

सरकारसे २०७५ सालमे घोषणा करल सय लावा पर्यटकीय गन्तव्यमध्येके बन्धा टल्वामे पर्यटकीय पूर्वाधार निर्माणके लाग सङ्घ सरकारके रु पाँच करोड ४३ लाख लागतमे निर्माणकार्य हुइटी रहल हो । टल्वाहे आकर्षक पर्यटकीय गन्तव्य बनैना लक्ष्यअनुरुप गत जेठमे ठेक्का सम्झौता होके काम हुइटी रहल बेलौरी नगरपालिकाके इन्जिनियर जगदीश जोशी जानकारी डेलै ।

"हमार अवधारणा बीच्चे मन्दिर बनैना ओ मन्दिरसम जाइक लाग पुल निर्माण कैना हो, आँजरपाँजर फेन ट्रस्ट पुल बनैना योजना हो", जोशी कहलै, "यी योजनाअनुसार टल्वामे पूर्वाधार निर्माण करक लाग रु २७ करोड लागत अनुमान करल बा ।" उहाँ पहिल चरणमे टल्वाके चारुओर पर्खाल निर्माण कैके संरक्षण कैना ओ पर्यटकके सहजताके लाग टमान संरचना निर्माण हुइना बटैलै ।

सत्ताइस बिघा क्षेत्रफलमे फैलल् यी टल्वाके संरक्षण ओ पर्यटकीय विकासके लाग पालिकासे फेन नगर गौरवके योजनामे समेटके बन्धा टल्वाहे बेलौरीके चिनारीके रूपमे विकास करे खोजल बेलौरी *(बाँकी ३ पेजमे)*

घट्लै संकटापन्न सुनौलो तोप चिरैं

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३१ असार । शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे सुनौलो तोप चिरैं (फिन्स विभर) के संख्या घटल बा ।

यी बरस गणना करेबर गैल बरसके तुलनामे कम सुनौलो तोप चिरैं पाइल हो । सक्तटापन्न यी प्रजातिके चिरैंनके बसोबास सुदूरपश्चिम प्रदेशके शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे किल रहल बा । सुनौलो तोप चिरैंनके सङ्ख्या, अवस्था अद्यावधिक कैना उद्देश्यसे निकुञ्ज कार्यालय ओ नेपाल पंक्षी संरक्षण संघ (बिसिएन) से जुलाई पहिल अँठ्वार गणना करल रहे । उहे क्रममे १८४ ठो सुनौलो तोप चिरैंनके अभिलेख हुइल निकुञ्जके सूचना अधिकारी पुरुषोत्तम वाग्ले जानकारी डेलै ।

यी बरस भाले ९२, पोथी ६९ ओ २३ ठो बच्चा सुनौलो तोप चिरैं फेला परल बटै । ओस्टके, ११४ सक्रिय ओ १२२ निस्क्रिय कैके २२६ ठाँठ फेला परल सूचना अधिकारी वाग्ले बटैलै । सिकारी चिरैं ओ अन्य जीवजन्तुसे बच्चा बचाइक लाग यी प्रजातिके चिरैं नक्कली ठाँठ बनैना करल जनाइल बा ।

२०२४ मे २१३ ठो सुनौलो तोप चिरैंनके अभिलेख करल रहे । ओस्टके, १३१ सक्रिय ओ ८९ ठो निस्क्रिय ठाँठ फेला परल रहे । यी बरस सक्रिय ठाँठ फेन घटल बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय प्रकृति संरक्षण संघ (आइयुसिएन) के रातो सूचीमे रहल यी प्रजातिके चिरैं नेपालमे शुक्लाफाँटाबाहेक अन्यत्र नैमिल्ठै । निकुञ्जके शुक्लाफाँटा घाँसे मैदान, मोहनपुर फाँटा, बिचफाँटा, लालपानीफाँटा, अण्डैया, हरैया लगायतके क्षेत्रमे सुनौलो तोप चिरैंनके गणना करल रहे । शुक्लाफाँटाके प्रायः सक्कु घाँसे मैदानमे खोजी करेबर यी बेर सुनौलो तोप चिरैं कम पाइल गणना टोलीके नेतृत्व करल चराविद् हिरुलाल डङ्गौरा बटैलै । "हम्रे सक्कु ओर खोज्ली । थप सुनौलो तोप चिरैं नैमिल्लै", उहाँ कहलै ।

बिसिएनके अनुसार २०२३ मे शुक्लाफाँटामे २११ ठो सुनौलो तोप चिरैं फेला परल रहिट । ओस्टके, १२९ सक्रिय ओ ८९ निस्क्रिय ठाँठ भेटल रहे । यी निकुञ्जमे सन २०१४ मे ६०, २०१५ मे २०० ओ २०१६ मे २५० सुनौलो तोप चिरैं पाइल रहिट । ओस्टके, सन २०१७ मे सबसे ढेर ३००, २०१८ मे २५४, २०१९ मे १७६, २०२० मे २५३, २०२१ मे २४८ ओ २०२२ मे २४४ सुनौलो तोप चिरैं मिलल् अभिलेख रहल बा ।

बासस्थानमे आइल परिवर्तनके कारण यी प्रजातिके चिरैंनके सङ्ख्या घटे लागल बटाइल बा । ओस्टके, प्रजनन समयमे कौवा ओ चिबे प्रजातिके चिरैं सुनौलो तोप चिरैंनके अण्डा, बच्चा खाडेना करल चराविद् डङ्गौरा बटैलै ।

शुक्लाफाँटामे सबसे पहिले सन १९९६ मे चिरैं विशेषज्ञ डा. हेमसागर बराल सुनौलो तोप चिरैं फेला पारल रहिट । नेपालमे छातीकाले, धर्के, सुनौलो ओ बया कैके चार मेरके तोप चिरैं पैना करल बटै ।

भजनीमे थारु संग्रहालय पार्क

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३१ असार । कैलालीके भजनी नगरपालिका-२ रजवारामे थारु संग्रहालय पार्क सञ्चालनमे आइल बा ।

पर्यटन विकास कैना उद्देश्यसे लोटैहिया टल्वा क्षेत्रमे थारु संग्रहालय पार्क सञ्चालन करल हो । थारु संग्रहालयसहितके पार्क निर्माणके लाग संघीय ओ प्रदेश सरकारसे बजेट विनियोजन करल रहे ।

संघीय सरकारसे ९० लाख ओ प्रदेश सरकारसे १० लाख बजेट डेहलपपाछे संग्रहालयके संरचना निर्माण हुइल वडा अध्यक्ष दुर्गाबहादुर पुन बटैलै । उहाँ वडा कार्यालयसे फेन कुछ रकम सहयोग करल जनैटी थप्लै, "थारु संग्रहालय पार्क सञ्चालनमे आसेकल । संग्रहालयके घरमे आभिन सामग्री रख्ना बाँकी बा ।"

थारु संग्रहालय पार्कके नगर प्रमुख केवल चौधरी ओ उपप्रमुख राजुदेवी तिरुवा एक कार्यक्रमके बिच उद्घाटन करल रहिट । उहे क्रममे प्रमुख चौधरी प्राकृतिक रुपमे सुन्दर भजनीहे पर्यटकीय क्षेत्रके रुपमे विकास करक लाग नगरपालिकासे टमान कार्य कैटी आइल बटैलै । उहाँ थारु सङ्ग्रहालयके घरहे थारु मोडेलमे बनाइ पर्ना उल्लेख कैटी कहलै, "थारु समुदायके हरेक रीतिरिवाज, चालचलनहे मान ओ मर्यादाके साथ आघे लैजाइ परल ।"

प्रमुख चौधरी थारु संग्रहालयसहितके पार्क भजनी नगरपालिकाके सान ओ मान रहल उल्लेख करलै ।

सुदूरपश्चिमके पाँच किसानहे भीमदत्त उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३१ असार । सुदूरपश्चिम प्रदेशके भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयसे पाँच जाने उत्कृष्ट किसानहे भीमदत्त प्रदेश उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार प्रदान करले बा ।

मंगरके मन्त्रालयमे आयोजना करल समारोहमे टमान जिल्लासे छनोट हुइल पाँच जाने किसानहे पुरस्कृत करल हो ।

कञ्चनपुरके कृष्णापुर नगरपालिका-५ के केरा व्यवसायी किसान अर्जुन जेठारा सर्वोत्कृष्ट कृषक पुरस्कार प्राप्त करले बटै । जेठाराहे प्रदेशके भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्री बिरबहादुर थापा एक लाख ५० हजार राशिसहित प्रशंसा पत्र, माला तथा दोसल्ला ओह्राके पुरस्कृत कैटी सम्मान करले बटै ।

कैलालीके लम्कीचुहा नगरपालिका-५ के मौरीपालक किसान किरणपाल भारती उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार प्राप्त करले बटै । भारतीहे ७५ हजार रुपैयाँ राशिसहित प्रशंसा पत्र, माला तथा दोसल्ला ओह्राके सम्मान करल बा ।

डोटीके आदर्श गाउँपालिकाके मुकुन्द अवस्थी, अछामके पञ्चदेवल विनायक नगरपालिका-६ के कुलबहादुर साउद ओ कञ्चनपुरके भीमदत्त नगरपालिका-१५ के भैंसीपालक किसान सरस्वती पाण्डेहे फेन पुरस्कृत करल बा । उत्कृष्ट कृषकके पुरस्कार प्राप्त करल तिनु जनहनहे जनही २५ हजार, प्रशंसा पत्र ओ दोसल्ला ओह्राके सम्मान करल बा ।

सर्वोत्कृष्ट कृषक पुरस्कार बुझ्टी केरा व्यवसायी अर्जुन जेठारा जमिन मजा रलेसे नेपालमे कृषि कार्यसे उत्कृष्ट औरे कौनो काम नैरहल बटैलै । देशके टमान ठाउँमे लेहल व्यवसायिक कृषि सम्बन्धी तालिम अपने सफल किसानके रुपमे चिन्हगैल उहाँ बटैलै । जेठारा कैलाली ओ कञ्चनपुरमे करीब ४० बिघा जग्गामे केरा खेती कैटी आइल बटै ।

भीमदत्त प्रदेश उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार वितरण समारोहहे सम्बोधन कैटी भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्री बिरबहादुर थापा एक जाने किसान मजा हुइना विषय सबसे गर्भके बात रहल बटैलै । थापा किसान सफल हुइलेसे आत्मानिर्भर होके देशहे नै आत्मानिर्भर बनाइ सेकजैना हुइल ओरसे उहोर केन्द्रीत होके मन्त्रालयसे काम करटी रहल उल्लेख करले बटै । ओस्टके उहाँ कृषि क्षेत्रमे युवा पुस्ताके बह्रटी रहल आकर्षणसे सकारात्मक सन्देश प्रवाह करल उहाँ बटैलै ।

'किसान रातदिन नैकहिके कृषि क्षेत्रमे लगानी फेन लगैले बटै । पसिना बगैले बटै । किसान अपहेलित हुइ परल बा । नैपरहल व्यक्ति कृषि पेशा कैना हो । बुढापाखा कैठै कना गलत बुझाई बा,' थापा कहलै, 'मने अब्बे पह्रललिखल युवाहे व्यवसायिक रुपमे कृषिमे अइटी रहल बटै । यी सक्कु जाने सिखे पर्ना महत्वपूर्ण बात हो । मुलुकमे कुछ नैहो कहुइयनके लाग उदाहरणीय काम हुइल बा ।'

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग
उपचार हुने रोगहरु
- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार
ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म
धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

........सम्पादकीय

मनभिटरके छाउगोठ भस्काई

कञ्चनपुरके कृष्णपुर नगरपालिका–१ निगाली गाउँके २८ वर्षीया कमला आउजीके छाउगोठमे सापक कटाईसे मृत्यु हुइल । महिनावारीके क्रममे छाउगोठमे बैठेबेर मृत्यु हुइल यो घटना नयाँ घटना नैहो । सुदूरपश्चिम प्रदेशके नेपाल प्रहरीमे दर्ता हुइल यी मेरिक तथ्यांकहे हेरेबेर वि.सं. २०७३ सालसे हालसम जग्गा ८ जाने महिलाके छाउगोठमे सापनके कटाई, बलात्कार, जंगली जनावरके आक्रमण जैसिन कारणसे मृत्यु हुइल बा ।

छाउपडी प्रथा रोकथामके लाग गृह मन्त्रालयके आदेशपाछे आर्थिक वर्ष ०७५/७६ से ०७७/७८ सम प्रहरीसे ७ हजार ४५४ गोठ भत्काइल तथ्यांक सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रहरीसँग रहल बा । मुलुकी अपराध संहिता २०७४ मे महिलाके रजस्वला वा सुत्केरीके अवस्थामे छाउगोठमे धारके वा नैधारके कैना कौनोफे मेरिक भेदभाव, छुवाछूत वा अमानवीय व्यवहारहे कसूर कहल बा । यैसिन कसूर करुइयाहे तीन महिनासम कैद वा तीन हजार रुप्यासम जरिवाना वा दुनु सजाय हुइना व्यवस्था करल बा । मने महिनावारी विभेदहे धार्मिक, सागाजिक, सांस्कृतिक रुपमे स्विकार करल कारणसे करेबेर कानुनमे यी मेरके व्यवस्था हुइलेसेफे समाजमे जर गारल गूल्य मान्यता डगमगाउन सेकल नैहो । अइसिन सांस्कृतिक मूल्य मान्यतासे सृष्टिके आधार वा जग महिनावारीहे अपवित्र ओ पापके संज्ञा डेना अपनमे एक हाँस्यास्पद विषय हो ।

मानव अधिकार एक नैसर्गिक अधिकार हो, जौन प्रत्येक मनै मनै हुके जन्म लेहल आधारमे प्राप्त हुइठ । मानव अधिकारके विश्वव्यापी घोषणापत्रके धारा १ ममे "सक्कु मनै जन्मटी आत्मसम्मान ओ अधिकारमे समान ओ स्वतन्त्र बटै कहिके व्यवस्था करल बा । मने आजफे महिलाहुक्रे महिला हुके जन्मल कारण मुवाजैना ओ मुना तिट यथार्थ हमार आघे बा । हालसमफे महिला दुसरा दर्जाके मानव हुके डर, त्रास, पीडा, उत्पीडन ओ शोषणमे जीवन ओ मृत्युहे अगाले परल वाध्यता बा ।

कमलाके घटनापाछेफे कृष्णपुर नगरपालिकासे छाउपडी प्रथा अन्त्यक लाग सक्कु वडा कार्यालयहे १५ दिनभिटर छाउगोठ भत्कैना गैल अँटवार निर्देशन जारी करले बा । छाउपडी गोठ नैभत्कैना व्यक्तिहे कानूनी कारवाही सहित रु १० हजार जरिवाना कैना नगरपालिका जनैले बा । महिनावारी विभेद एक सामान्य सामाजिक रुढीवादी प्रथा केल नाही यी एक कानूनी अपराध हो । मने महिनावारी विभेद विरुद्धके गतिविधि भर छाउगोठ भत्कैना काममे केल्ह सिमित हुइल बटै ।

महिलाके लाग मृत्युके कारणफे काहे महिला हुइटै । जबसम महिलाके शरीर उप्पर धर्म ओ संस्कृतिके नाममे राजनीति कैना परिपाटीके अन्त्य नैहुई, टबसम छाउगोठके भौतिक संरचना भत्काके रुपान्तरण सम्भव नैहो । सामाजिक न्याय विपरितके सामाजिक, सांस्कृतिक मुल्य मान्यताके अन्त्य सामाजिक सांस्कृतिक रुपान्तरणसे केल्ह सम्भव बा । जेकर लाग सरकार तथा सम्बन्धित निकायके लगानी लैङ्गिक रुपान्तरणकारी हस्तक्षेपमे हुइना जरुरी बा ।

पत्रकारितामे भाषिक अनुशासन

विचार
केशव निरौला

सामाजिक उत्तरदायित्व वहन करना मेरिक पत्रकारसे अँगालल पेसा पत्रकारिता हो । यी आमसञ्चारके माध्यममे लिख्के, बोलके, दृश्य वा डिजिटल स्वरूपसे नागरिकहे सूचना, शिक्षा, मनोरञ्जन ओ अभिप्रेरणा डेना उद्देश्य ढरठ । प्रविधिके विकाससँगे नेपाली पत्रकारिता फेन आज भारी 'छलाङ' मारसेक्ले बा । कौनो समय परम्परागत सञ्चार माध्यममे कटुवाल प्रथा, हुलाक आदि कना बुझ्जाए कलेसे आज अखबार फेन यिहे समूहमे दर्ज हुइल बा । अचेल अनलाइन पत्रकारिताके तीव्र प्रभाव बह्ना किल नैहोके कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पत्रकारितामे समेत 'नयाँ क्रान्ति' नान्सेक्ले बा । मूलतः प्रसारण ओ अनलाइनमार्फत सूचनाके तीव्रता, एआई जैसिन नवीन प्रविधिके पहुँच ओ नागरिक सहभागिताके अभिवृद्धिसे पत्रकारिताके दायरा फेन विस्तार हुइटि बा । यक्रहे परिणाममे आज 'मोबाइल पत्रकारिता' हुइटि 'नागरिक पत्रकारिता' के नयाँ नयाँ आयाम विस्तार हुइटि बा । जत्रा विस्तारित रूपमे समृद्ध पत्रकारिता आगे बह्नल बा ओत्रे पेसागत चुनौतीमे भाषिक अनुशासनके प्रश्न फेन आघे आइल बा ।

भाषा प्रयोग करटि पालना करेपरना नियम, मर्यादा ओ शुद्धताके अभ्यास भाषिक अनुशासन हो । यिहिनसे शुद्ध, शिष्ट ओ व्याकरणसम्मत भाषाके अपेक्षा करठ । अन्य भाषाके तुलनामे वर्णविन्यासके सन्दर्भसे समेत नेपाली भाषा अभिन ढेर विशिष्ट प्रकृतिके बा । देवनागरी लिपिमे लिखल यी भाषा जस्टे स्वरूपमे लेख्जाइठ, एकडम ओस्टे तरिकासे उच्चारण फेन नैहुइठ । टबेमारे सञ्चार माध्यममे नेपाली भाषा लिख्ना ओ बोलेबेर शुद्ध, स्पष्ट, व्याकरणसम्मत ओ प्रसंग मुताविक मिलैना कुछ ढेर ध्यान डेहेपरना रहठ । भाषिक अनुशासनके कसीमे किल नेपाली भाषा फेन सही अर्थ सम्प्रेषण करे सेकठ ओ सम्प्रेषित सन्देश स्पष्ट, सटिक ओ प्रभावकारी बनठ । अनुशासित भाषा प्रयोगमे कमी आके ढेर ठाउँमे द्वेष, हिंसा वा विखण्डनके सम्भावना फेन बह्ठ । भाषिक विचलन हुइ कलेसे अर्थके अनर्थ हुइ सेकि । निरन्तर भाषिक विचलन ओ अनुशासनहीनता डेखाके सञ्चार माध्यमप्रति जनविश्वास घट्ना खतरा बह्ठ । गलत भाषा प्रयोगसे भ्रम पैदा करे सेक्ना रहल ओरसे लेखनमे अनुशासन हुइना जरुरी बा । पत्रकारिता अप्नमे सूचना सम्प्रेषणके एक सशक्त माध्यम रहल ओरसे यहाँ लेखल वा बोलल प्रत्येक शब्द पाठक वा दर्शकमे एकडम प्रभाव परना रहठ । यसर्थ, शब्द शब्द ख्याल कैके भाषिक अस्पष्टता वा त्रुटिपूर्ण अभिव्यक्तिसे बच्नके कौनो विकल्प नैरठ ।

विगतमे नेपाली पत्रकारिता लेखन जत्रा अनुशासित मानजाए ओत्रे अब्बेक समयमे विशेषतः डिजिटल पत्रकारिताके प्रभावसे फेन हुइ सेकल नैपाजाइठ । डिजिटल प्रविधिके विस्तारसँगे पत्रकारितामे विविध मेरिक भाषिक विचलन देखा परल बा । यम्ने विषयवस्तुबारेके कमजोर जानकारीसे फेन शब्द चयनमे समस्या, अशुद्ध वाक्य संरचना, सामाजिक रूपमे अपाच्य अभिव्यक्ति, लेख्य चिह्न प्रयोगमे लापर्बाही जैसिन प्रमुख भाषिक समस्या पक्ष और मौलाइल पाजाइठ । यथार्थ समाचारसे फेन अतिरञ्जित ओ भ्रामक शीर्षक ढरना प्रवृत्तिमे कमी आइल नैहो । वाक्य गठनमे व्याकरणिक सन्दर्भसे ढेर गल्ती मिल्ना करल बा । ह्रस्व, दीर्घ, हलन्त, अजन्त, पदयोग, पदवियोग, पञ्चमवर्णाके नियम, शिरविन्दु ओ चन्द्रविन्दुके प्रयोग, 'श, ष, स' के प्रयोग ओ टमान विरामचिह्न वा संकेतके प्रयोगमे असावधानी डेखाइठ । 'यी खास नेपाली विषय नैहो, बाट बुझ्ना मेरिक लिख्लेसे हुइटे गिल' कना जैसिन अभिव्यक्ति फेन कैयौँ पत्रकारसे समग्र पत्रकारिता जगत्मे भाषिक शुद्धताके महत्व कम देखैना दुष्कर्म हुइटि बा । कत्रा सन्दर्भमे बौद्धिक घमण्ड देखैना मेरिक समाचारमे पाण्डित्य प्रदर्शन कैके क्लिष्ट ओ दुर्बोध्य बनैना करल पाजाइठ मने आमसर्वसाधारणसे सहजे बुझे सेक्ना मेरिक सरल तरिकासे खुराक डेहे सेक्ना किल यथार्थमे भाषिक अनुशासन कायम हुइल ठहठ ।

नेपाली पत्रकारितामे भाषिक अनुशासनभित्रे 'आदर' के सन्दर्भ फेन पेचिलो बनके आइठ । कुछ सरकारी मिडियाबाहेक सब जैसिन मिडियाके पत्रकारसे समाचारमे 'तिमी' अर्थात् मध्यम आदरके प्रयोग करल पाजाइठ । वास्तवमे नेपाली आदर व्यवस्था अनुसार 'तपाईं' सूचक हुइना उच्च आदरके प्रयोग अत्यन्त कम मिडिया करना करल बा । अंग्रेजी भाषामे सबहे 'यु' सर्वनामसे किल आदर प्रकट करल ओरसे ओकर प्रभाव नेपाली पत्रकारितामे फेन 'तिमी' के रूपमे आइल डेखाइठ । यिहिनसे मिडियाजगत्मे ज्येष्ठ नागरिकसँगे उच्च पद ओ ओहदाके व्यक्तिहे फेन अपमान करल ठहठ । अस्टेक सामाजिक सम्बन्ध ओ नैतिकतामे समेत ठेस पुगल आभास हुइठ । टबेमारे बिनाहिचकिचाहट सब मिडियाके समाचारमे नेपाली मौलिक पहिचानमे आधारित सम्मानसूचक 'तपाईं' प्रयोग करना ढिला करे नैपरल ।

भाषिक अनुशासन नैहुइनामे टमान पक्ष जिम्मेवार मानजाइठ । यम्ने सबसे पहिल पक्ष कलेक समाचार लेखक वा संवाददातामे भाषिक ज्ञानके कमी रना हो । उ गहन अध्ययन कैके विषयवस्तु स्पष्टसँग लिख्ना हो कलेसे ढेर जैसिन भाषिक समस्या ओहे समाधान रहठ । कैयौँ समाचार पह्रेबेर वा सुन्लेसे पत्रकार स्वयम् 'प्रहरी प्रशासन' ओ 'न्यायाशीध' के भूमिकामे रहल भान हुइठ । विशेष कैके फौजदारी कसुरसँग सम्बन्धित ढेर जैसिन विषयमे पत्रकार अप्नही 'न्यायाधीश' हुइना मेरिक समाचार सम्प्रेषण हुइल डेखाइठ । मुलुकी अपराध संहिता २०७४ अन्तर्गत परना टमान कसुरजन्य गतिविधिसँग सम्बन्धित समाचारमे धेर जैसिन पत्रकार आरोपित व्यक्तिहे 'अपराधी' कना करल पाजाइठ । यहाँ शब्दावली चयन कैके 'कसुर करल आरोप' कनाके सट्टा एक चो दोषी ठहर हुइजत्रा 'अपराधी' कना चलनसे प्रश्रय पाइल बा । अस्टेक 'चोरीके आरोप' हे 'चोर' ओ 'ठगीके आरोपित व्यक्ति' हे 'ठग' कना करल बा । यहोर 'पीडित कल व्यक्ति' हे सिधे 'पीडित' कना प्रचलन बा । यसर्थ, पत्रकारहे पर्याप्त कानुनी विषयबारे जानकारी नैहुइना फेन भाषिक अनुशासनउप्पर गम्भीर प्रश्न चिह्न खडा हुइल डेखाइठ ।

पत्रकारितामे भाषिक त्रुटि हुइना औरे कारण कलेक सम्पादन पक्षके कमजोरी हो । कैयौँ स्थानीय मिडियामे एक सम्पादकसे सम्पादकीय टोलीके भूमिका करेपरना बाध्यता बा । विषयवस्तुके ज्ञान रलेसे फेन व्याकरणसहित सरोकारित भाषाके पर्याप्त ज्ञान नैहोके भाषिक समस्या बह्नल पाजाइठ । भाषिक सम्पादनबिना हतार हतारमे सामग्री सार्वजनिक करना परिपाटीसे फेन ढेर गल्ती हुइना करल बा । अभिन फेन मोफसलके टमान जैसिन मिडियामे भाषा सम्पादक नियुक्त नैहुइलके परिणामसे और त्रुटि बह्नल भान हुइठ । टबेमारे सेकटसम सम्बन्धित विषयवस्तुसमेत जैनाके भाषा सम्पादक चयन करे सेक्जाइ कलेसे ढेरसे ढेर भाषिक त्रुटि निराकरण करे सेक्जाइ ।

वस्तुतः पत्रकारिताके भाषा संक्षिप्त, स्पष्ट ओ अर्थपूर्ण हुइ परठ । साहित्यिक लेखनमे लम्मा व्याख्या वर्णन पाच्य रलेसे फेन पत्रकारिता एक वाक्यमे ढेर बाट कहे सेक्ना कलामे आधारित रहठ । टबेमारे टे पत्रकारिताहे 'हतारके साहित्य' फेन कना करजाइठ । कोइ आधा घण्टा लगाके बोलल बाट पत्रकार एक–दुई मिनेटमे पह्रे सेक्ना रूपमे प्रस्तुत करे लाग पत्रकार स्वयम् ढरसे ढेर अध्ययनशील बन्नाके विकल्प नैरठ । नियमित भाषिक शुद्धतासम्बन्धी तालिम नैलेना ओ अनुभव नैहुइल कैयौँ नयाँ पुस्ताके पत्रकारमे फेन भाषिक दक्षता विकास हुइ सेकल नैहो । उहाँहुक्रे लेखल वा वाचन करल समाचारमे अभिन ढेर भाषिक समस्या मिल्ना हुइल ओरसे ओकर निराकरणके लाग उपयुक्त भाषाप्रशिक्षण कक्षा सञ्चालन करे सेक्जाइ ।

अब्बे टे सामाजिक सञ्जालके प्रभावसे फेन भाषिक अनुशासन भंग हुइल बा । सामाजिक सञ्जालमे छोट, तीव्र ओ आक्रामक स्वरूपसे सूचना प्रवाह करना प्रवृत्तिके कारण फेन विषयवस्तुके सम्पादन वा भाषिक शुद्धतामे खास सचेत हुइना नैडेखाइठ । सामाजिक सञ्जाल ओ पत्रकारिताके भिन्नता बुझैना अभ्यास नैहोके फेन सामाजिक सञ्जालसे जत्रा हलि सूचना प्रवाह करजाइ ओत्रे 'चर्चित' पत्रकार होजाइ कना गलत भाष्य सिर्जना हुइल बा । पत्रकारितामे सामाजिक सञ्जालके भाषा हुबहु प्रयोग करना उपयुक्त नैरहठ कना *(बाँकी ३ पेजमे)*

अब्बे टे सामाजिक सञ्जालके प्रभावसे फेन भाषिक अनुशासन भंग हुइल बा । सामाजिक सञ्जालमे छोट, तीव्र ओ आक्रामक स्वरूपसे सूचना प्रवाह करना प्रवृत्तिके कारण फेन विषयवस्तुके सम्पादन वा भाषिक शुद्धतामे खास सचेत हुइना नैडेखाइठ । सामाजिक सञ्जाल ओ पत्रकारिताके भिन्नता बुझैना अभ्यास नैहोके फेन सामाजिक सञ्जालसे जत्रा हलि सूचना प्रवाह करजाइ ओत्रे 'चर्चित' पत्रकार होजाइ कना गलत भाष्य सिर्जना हुइल बा । पत्रकारितामे सामाजिक सञ्जालके भाषा हुबहु प्रयोग करना उपयुक्त नैरहठ कना चेतना आमपत्रकारमे फेन विकास हुइ सेकल नैहो । यसर्थ 'सञ्चारकर्मी' के तुलनामे आज सच्चा 'पत्रकार' के संख्या घट्ना क्रममे डेखाइठ । पत्रकारिताके मूल्यमान्यता ओ आचारसंहिता पालना नैकैके केवल सञ्चारकर्म किल पूरा करल सन्दर्भमे 'सञ्चारकर्मी' के संख्या बह्नल पाजाइठ । सामाजिक सञ्चारमार्फत सञ्चारकर्मीसे जत्रा ढेर भाषिक अनुशासन उल्लंघन करल पाजाइठ, ओत्रा ढेर उ पत्रकारितामे हुइइ भाषिक गल्ती हो कहिके बुझ्ना करल बा ।

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

जग्गाधनी प्रमाणपुर्जा वितरण

दार्चुला, ३१ असार । विगतके आयोग, समिति ओ कार्यदलसे काम बाँकी रहल दार्चुलाके शैल्यशिखर नगरपालिका-६ के अव्यवस्थित बसोबासीहे सोम्मारके जग्गाधनी प्रमाणपुर्जा वितरण करल बा ।

नेपाल सरकार भूमि समस्या समाधान आयोग, जिल्ला समिति दार्चुलासे यहाँके ४५ जनहन्हे प्रमाणपुर्जा वितरण करल समितिके अध्यक्ष लालसिंह धामी जानकारी डेलै ।

शैल्यशिखर नगरपालिका-६, पनेबाँजमे आयोजित कार्यक्रममे अव्यवस्थित बसोबासीहे पहिचो जग्गाधनी प्रमाणपुर्जा वितरण करल हो । ८० वर्षीय अइता धमेनीहे जग्गाधनी प्रमाणपुर्जा वितरण कैके कार्यक्रमके सुरुवात करल रहे । अव्यवस्थित बसोबासीहे प्रमाणपुर्जा वितरण करल भूमि समस्या समाधान आयोग, जिल्ला समिति दार्चुलाके सदस्यसचिव एवं नापी कार्यालय दार्चुलाके कार्यालय प्रमुख टिकेन्द्रसिंह धामी जानकारी डेलै ।

कार्यक्रममे शैल्यशिखर नगरपालिकाके उपप्रमुख शान्ति खड्ायत आयोग गठन हुइलपश्चात् पहिलचो नगरवासीहे घरदैलोमे प्रमाणपुर्जा वितरण कैना ऐतिहासिक काम रहल बटैलै । नगरक्षेत्रभिट्टर बाँकी रहल अव्यवस्थित बसोबासीहे आयोगसँगके समन्वयमे हाली प्रमाणपुर्जा वितरण कैना उहाँ प्रतिबद्धतासमेत जनाइल रहिट ।

प्रमाणपुर्जा वितरण कैटी जिल्ला समन्वय समिति दार्चुलाके प्रमुख महादेव बडु कश्यप अव्यवस्थित बसोबासीहे जग्गाधनी बनाइ परल कहिके सरकारसे आयोगके गठन करल बटैलै । विगतमे फेन जग्गाविहीनहे सेतो प्रमाणपुर्जामार्फत जग्गाके स्वामित्व प्रदान करल उहाँ बटैलै । राजनीतिक स्थायित्व नैरहल कारण टमान समयमे गठन हुइल आयोग बेला बेला विघटन हुइना करल कारण काम कैना कठिनाइ हुइना करल उहाँ बटैलै । उहाँ कहलै, “आजसे अपनेहुक्रे जग्गाके स्वामित्व प्राप्त करली, यी खुसीके दिन हो ।”

स्थानीय तहके साथ पाइल तीन बरसभित्रे जिल्लाके भूमिसम्बन्धी सक्कु समस्या हल कैना भूमि समस्या समाधान आयोग, जिल्ला समिति दार्चुलाके धामी बटैलै । उहाँ कहलै, “जिल्लाके सक्कु अव्यवस्थित बसोबासीहे जग्गाधनी प्रमाणपुर्जा वितरण कैना लक्ष्य बा, सक्कु जनप्रतिनिधि ओ स्थानीय तहसे साथ डेहे परल ।”

शैल्यशिखर नगरपालिका-६ के ४५ जाने २९४ रोपनीके प्रमाणपुर्जा वितरण करल हो । ओइनसे सात लाख तीन हजार ८५४ रुपियाँ राजस्व संकलन करल बा । जग्गाधनी १० बरससम उ जग्गा बिक्री करे नैपैना नापी कार्यालय दार्चुलाके कार्यालय प्रमुख टिकेन्द्रसिंह धामी जानकारी डेलै ।

जग्गाधनी प्रमाणपुर्जा प्राप्त करलपाछे स्थानीय खुसी हुइल बटै । भूमि समस्या समाधान आयोग जिल्ला समिति दार्चुलासे उहीसे आघे जिल्लाके १७ जाने अव्यवस्थित बसोबासीहे जग्गाधनी प्रमाणपुर्जा वितरण करसेकल बा । दार्चुला जिल्लामे हाल दुई हजार २५५ जाने अव्यवस्थित बसोबासी रहल भूमि आयोगके तथ्यांक रहल बा ।

बन्धा टल्वामे...

नगरपालिकाके प्रमुख पोतीलाल चौधरी बटैलै । “टल्वाके विकासके लाग थप बजेटके लाग सङ्घ ओ प्रदेश सरकारसँग माग करटी रहल बटी”, उहाँ कहलै, “नगरपालिकाके बजेटसे फेन पर्यटकीय विकासके लाग पूर्वाधार निर्माण हुइटी रहल बावे ।” टल्वा परिसरमे पूर्वाधार निमार्णके लाग दाउत निर्माण सेवा ओ भूमिराज कन्स्ट्रक्सन संयुक्त रूपमे काम करटी रहल बटै ।

गत जेठ ९ गतेके ठेक्का सम्झौताअनुसार आगामी असार मसान्तभित्रे काम सम्पन्न करसेके पर्ना बा । स्थानीयके अनुसार गोल घेरामे फैलल् रहल ओरसे टल्वाके नाउँ बन्धा टल्वा रहे गैल हो । उक्त टल्वामे टमान प्रजातिके मच्छी, जलपन्छी ओ चिरैंचुरुंगीनके समेत अवलोकन करे सेकजाइठ ।

बसाइँ सरल ६ वर्षपाछे गाउँ आके बाख्रापालन

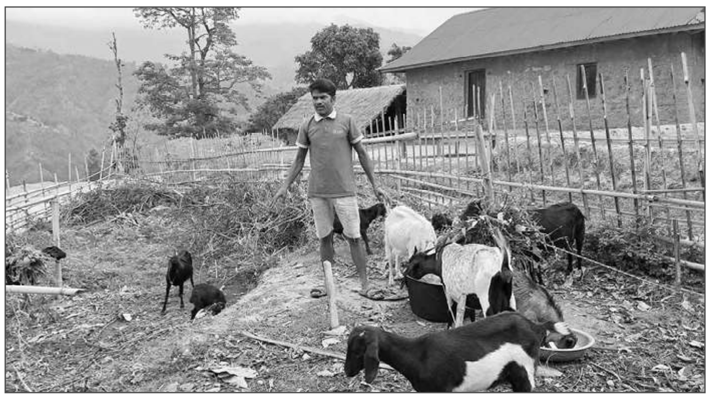

खोटाङ, ३१ असार । बसाइँ सरके गैल खोटाङके एक व्यक्ति पुनः गाउँ आके बाख्रा पालनमे लागल बटैं । खोटाङके जन्तेढुंगा गाउँपालिका-५ चिसापानी खुट्टाके रमेश खत्री घर जग्गा छारके ६ वर्षआघे उदयपुरके गाईघाट भागलपुर बसाइँ सरके गैल रहैं । ६ वर्षपाछे पुनः गाउँ आके खत्री बाख्रापालन सुरु करले बटैं ।

गाउँसे बसाइँ सरके शहरमे जयुइयन किल नैहुइटैं । गाउँके माया कैके, गाउँके सम्भावनाह पहिल्याके अपन थाँतथलोमे अयुइयन फेन बटैं कना उदाहरण खत्री बनल बटैं । रमेश वैदेशिक रोजगारीके सिलसिलामे कतारमे चार वर्ष ओ अल्जेरियामे दुई वर्ष बैठल बटैलैं ।

दुःखसजिलो कैके जोरल सम्पत्तिसे भागलपुरमे जग्गा जमिन जोरके परिवारसहित २०७७ माघमे बसाइँ गैल सुनैलैं । फेन विदेश जैना योजना बनाइल खत्रीहे अपन भैया विदेश जैनाके सट्टा बाख्रा पालन करना किल नैसुफैलैं लगानी करना तयार हुइलैं । ओकरपाछे २०८१ सावनमे गाउँ आइल खत्रीके कहाइ बा । गाउँ आके छिमेकी प्रशंसा करटि बाँफ जग्गा जोत्नसमेत सघाइल खत्री बटैलैं ।

खत्रीके गोसिनिया ओ दुई छावा उदयपुरमे बटैं । “गोसिनिया ओ छावा ओहोरें बटैं, मै भर गाउँ ओके घर सरसफाइ करनु । खेत ढाकल फाडी फँडानी करनु, बाँफल खेत जोतके घाँसके लाग बिरुवा लगैले बटुँ,” खत्री कलैं, “२०८१ अगहनमे १२ ठो बाख्रा ओ एक बोका किनके व्यवसायिक रुपमे बाख्रापालनमे लागल बटु । अब्बे बन्धनमे हुइलबेला बाख्राहे घाँस डेना, पानी डेना, खोले डेना, बाख्रा चराइ लैजैना, जंगलमे डाले घाँस काटके नन्ना मोर दिनचर्या बनल बा ।”

मिहिनेत करल अनुसार बाख्रा पालनके आम्दानी सन्तोषजनक रहल उहाँक कहाइ बा । खत्रीके २५ रोपनी उर्वर खेत बा । बारी भर दुई सुर्को किल बा । घर ओ खेत हेरचाह करना जिम्मा छिमेकीहे डेहल रहे मने उ छिमेकी फेन गाउँ छोरके नेगलैं । ओकरपाछे घर ओ जग्गा अलपत्र बनल रहे । आँगनमे भार पलाइल रहे । खेतहे भाडीसे ढाकल रहे । अब्बे ओहे खेतमे ओ बकाइनोके बिरुवा बहटिरहल खत्री बटैलैं ।

पख्वा मन्से गिरके एकके मृत्यु

बाजुरा, ३१ असार । बाजुरामे पख्वा (भिर)से गिरके एक जाने युवाके मृत्यु हुइल बा । मृत्यु हुइनामे गौमुल गाउँपालिका-३, कटीगाउँके अन्दाजी २९ वर्षीय वीरेन्द्र बोहरा रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालय बाजुरा जनैले बा ।

स्थानीयके अनुसार उहाँ गाउँ लगेक जंगलमे घाँस काटे गैल ओ घाँस कट्ना क्रममे भिरसे गिरके मृत्यु हुइ सेक्ना बटैलैं ।

बोहराके मृत्यु हुइल खबर प्रहरीहे जानकारी हुइलसँगे प्रहरी घटनास्थलमे गैल जिल्ला प्रहरी कार्यालय बाजुराके प्रहरी नायब उपरीक्षक इकबाल हवारी बटैलैं ।

उहाँ कलैं, “बोहरा मंगर बिहान घर लगेक जंगलमे घाँस काटे गैल रहैं । लम्मा समयसम घर नैआइलपाछे खोजी करलमे उहाँहे स्थानीय मृत अवस्थामे फेला परले रहैं ।”

प्रहरीके टोली वहाँ पुगलके उहाँहे पोस्टमार्टमके लाग जिल्ला अस्पताल बाजुरामे नन्ना वा ओहे मुचुल्का बनाके उहाँक दाहसंस्कार करना बाट प्रहरी वहाँ पुगलपाछे किल पटा चल्ना जिल्ला प्रहरी कार्यालय बाजुराके प्रहरी नायब उपरीक्षक हवारी बटैलैं ।

अन्तर्राष्ट्रिय

नाइजेरियाके पूर्वराष्ट्रपति बुहारीके ८२ वर्षके उमेरमे निधन

काठमाडौं, ३१ असार । सन् २०१५ से २०२३ सम नाइजेरियाके राष्ट्रपतिके रूपमे सेवा करल मोहम्मदु बुहारीके बेलायती राजधानीमे मृत्यु हुइल बा । राष्ट्रपति बोला टिनुबु पूर्वराष्ट्रपति बुहारीके उपचारके क्रममे मृत्यु हुइल पुष्टि करलैं ।

डिसेम्बर १७, १९४२ मे जन्मल बुहारीके सैन्य ओ नागरिक शासन दुनुमे प्रतिष्ठित करियर रहे । २०१५ मे राष्ट्रपति पदमे सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा करना आघे उहाँ राजनीतिक सक्रियतामे वर्षौं बिटैलैं ।

उहाँ नाइजेरियाके इतिहासमे वर्तमान राष्ट्रपतिहे पराजित करना पहिल विपक्षी उम्मेदवार बनल रहैं । उहाँ २०१९ मे पुनः निर्वाचित हुइठैं ओ मे २९, २०२३ मे टिनुबुहे सत्ता हस्तान्तरण करले रहैं । राष्ट्रपतिके रूपमे अपन दुई कार्यकालमे, बुहारीके प्रशासनसे तीन प्रमुख क्षेत्रमे ध्यान केन्द्रित करल बा । टिनुबु स्वर्गीय पूर्व नाइजेरियाली नेताके सम्मानमे झण्डा आधा झुकैना आदेश डेले बटैं ।

पत्रकारितामे...

चेतना आमपत्रकारमे फेन विकास हुइ सेकल नैहो । यसर्थ ‘सञ्चारकर्मी’ के तुलनामे आज सच्चा ‘पत्रकार’ के संख्या घट्ना क्रममे डेखाइठ । पत्रकारिताके मूल्यमान्यता ओ आचारसंहिता पालना नैकैके केवल सञ्चारकर्म किल पूरा करल सन्दर्भमे ‘सञ्चारकर्मी’ के संख्या बहल पाजाइठ । सामाजिक सञ्जालमार्फत सञ्चारकर्मीसे जत्रा ढेर भाषिक अनुशासन उल्लंघन करल पाजाइठ, ओत्र ढेर उ पत्रकारितामे हुइठ भाषिक गल्ती हो कहिके बुझ्ना करल बा ।

निष्कर्षतः पत्रकारिता कलेक सूचना सम्प्रेषणके एक माध्यम किल नैहोके सामाजिक चेतना निर्माण करना सशक्त संयन्त्र फेन हो । अइसिन संयन्त्र भाषिक दृष्टिकोणसे फेन अनुशासित, स्पष्ट ओ जिम्मेवार बने परठ । भाषाके शिष्ट ओ मर्यादित प्रयोग पत्रकारिताके आत्मा हो । टबैमारे अब्बेक नेपाली पत्रकारितासे भाषिक अनुशासन कायम कैके किल अपन पेसागत गरिमा ओ प्रतिष्ठाहे उँच बनाइ सेकि ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ६ कित्ता नं. १५०७ क्षेत्रफल २०३.१६ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री सरिता कुमारी बुढाले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः सडक — पश्चिमः विष्णा विष्ट
उत्तरः जलनधरा देवी शाह, रोशन हमाल — दक्षिणः टेक धामी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ७ बेली कित्ता नं. २०३ क्षेत्रफल १६९.६१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री विस्नाकुमारी रोकायाले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः रोशी हमाल — पश्चिमः विक्रम विष्ट
उत्तरः सडक — दक्षिणः गौरीदेवी बोहरा

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

“लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहारः समृद्धिके आधार”

थारू समुदायमे बह्रटी सिकलसेल

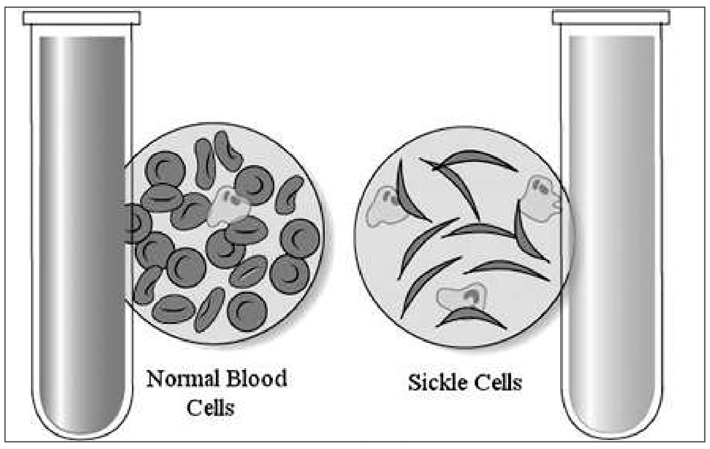

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३१ असार । थारू समुदायमे ढेर डेखगैल सिकलसेल एनिमियाके बिरामीके संख्या कैलाली तथा कञ्चनपुर जिल्लामे बह्रटी गैल बा । खास कैके थारू समुदायके बाहुल्य रहल क्षेत्रमे यी रोग बह्रटी गैल हो ।

सेती प्रादेशिक अस्पतालके हरिबहादुर थापा कैलाली ओ कञ्चनपुरमे एक हजार ३४ जाने सिकलसेलके बिरामीके उपचार हुइटी रहल जानकारी डेलै । उ आभिन बह्रे सेक्ना क्रममे रहल उहाँ बटैलै । उहाँ कैलालीमे ७५६ कञ्चनपुरमे २७८ जाने बिरामी रहल बटैलै । ओम्ने महिलाके संख्या ५३६ रहल बा कलेसे पुरुषके संख्या ४९८ रहल जानकारी डेलै । अब्बे एक हजार ३४ जाने बिरामीमध्ये ३९२ जाने घोडाघोडी अस्पतालमा ओ आठ जाने कञ्चनपुरके महाकाली अस्पताल ओ बाँकी ६३४ जाने सेती प्रादेशिक अस्पताल धनगढीमे उपचार करैटी रहल बटै ।

सरकारसे सिकलसेलके उपचार तथा सेवा सुविधाके लाग कहिके कैलालीके सेती प्रादेशिक अस्पताल, घोडाघोडी अस्पताल ओ कञ्चनपुरके महाकाली अस्पतालसे सेवा डेटी रहल बा कलेसे कैलालीके टीकापुरसे सेवा डेना तयारीमे रहल सामाजिक विकास मन्त्रालयके आयुर्वेदिक चिकित्सक डा. चेतराज जोशी बटैलै । सरकारसे पश्चिम तराईमे विशेष कैके थारू समुदायमे डेखगैल सिकलसेल एनिमिया रोगके उपचारहे सर्वसुलभ ओ नि:शुल्क कैना घोषणा करले बा । परीक्षण ओ उपचार डुनु नि:शुल्क रहल बा ओ एक बिरामीहे एक लाख बराबरके औषधी डेना सरकारसे घोषणा करले बा । सरकारसे उपचारमे एक लाख रुपियाँसम डेना सेवा सुविधा लेना प्रक्रिया जटिल रहल थारू अगुवा माधव थारूके कहाइ रहल बा । सिकलसेल रोगके उपचार ओ परीक्षण महँगा तथा घरक सम्पूर्ण सदस्यहे उपचार करे पर्ना कारणसे ढेर मनै रगत परीक्षण नैकराके रोग नुकैना करल उहाँ बटैलै । उहाँ सरकारसे एक लाखसम किल नैहोके सिकलसेलके बिरामीहे आजीवन उपचारके ग्यारेन्टी करे पर्ना बटैलै ।

उहाँ ढेर बिरामी डेखल क्षेत्र ओ समुदायमे रहल गर्भवतीके गर्भमे रहल बच्चामे सिकलसेल हुइ सेक्ना जोखिमबारे परीक्षण करे सेकजैना व्यवस्था करे सेक्लेसे भविष्यमे यी सङ्क्रमण लेके जन्मना बिरामीहे कम करे सेकजैना बटैलै । सिकलसेल एनिमिया हुइल बिरामीमे सामान्यतया हाली थकाइ लग्ना, सास फेर्ना कर्रा, सहे नैसेक्ना मेरके छाती बठैना, छाती, पेट, हाठगोर, ढाडमे अचानक ओ कडा खालके दुखाइ हुइना, कमलपित्त हुइना जैसिन लक्षण डेख परठ् । ओस्टके आँखीमे समस्या डेखजैना, अन्धोपना हुइ सेक्ना, पक्षाघात हुइ सेक्ना, सङ्क्रमण हुइटी रहना, जुरी अइना, वाकवाक लग्ना, उल्टी हुइना, खोँखी लग्ना समेत हुइठ् ।

बिसहा बेम्टी खाके पाँच बिरामी

कञ्चनपुर, ३१ असार । कञ्चनपुरमे बिसहा बेम्टी खाके अक्के परिवारके पाँच जाने बिरामी परल बटै ।

जिल्लाके दोधारा चाँदनी नगरपालिका–६, कालागड टोलमे भातके नंग्रा जंगलसे लानल बिसहा बेम्टी खाइबर अक्के परिवारके पाँच जाने बिरामी परल हुइट ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुरके अनुसार, जंगलसे लानल बेम्टी खाके ६३ वर्षीया कालु सुनारसहित उहाँके नटिनीया १८ वर्षीया निशा सुनार, आठ वर्षीय मन्सु सुनार ओ नटिया १६ वर्षीय भीम सुनार, १२ वर्षीय वसन्त सुनार बिरामी हुइल बटै ।

सोम्मारके बिसहा बेम्टी खाके बिरामी हुइल ओइनके दोधारा चाँदनी अस्पतालमे उपचार हुइटी रहल जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुरके प्रहरी नायब उपरीक्षक एवम् प्रवक्ता सागर बोहरा बटैलै । उहाँहुक्रनके अवस्था सामान्य रहल प्रनाउ बोहरा जानकारी डेलै ।

योग्यता प्रणालीको सम्मान गरौं

- योग्यतामा आधारित छनौट प्रणालीको सम्मान गरौं,
- योग्यता र प्रतिष्पर्धाको सम्मान गर्दै रोगजारीमा समान अवसरको सदुपयोग गरौँ,
- प्रतिभाको कदर स्वदेशमै गरौं र प्रतिभा पलायन हुनबाट रोकौं,
- निर्भिक एवं निष्पक्ष रुपमा राष्ट्रको सेवा गर्ने अवसरको उपयोग गरौं र गराऔं,
- २०८२ असार १ गते लोक सेवा आयोगको ७५ औं वार्षिकोत्सव तथा हीरक जयन्ती भव्यताका साथ मनाऔं,

"योग्यता, स्वच्छता, निष्पक्षता-लोक सेवा आयोगको प्रतिबद्धता"

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

जयपृथ्वी राजमार्गके अवस्था दयनीय

बभाङ, ३१ असार । जयपृथ्वी राजमार्गअन्तर्गत बभाङके बागथला–चैनपुर सडक खण्डके अवस्था दयनीय बनल बा । ४५ किलोमिटरके यी यात्रामे यात्रुहुक्रनहे सास्ती भोगे परल बा ।

सडकमे खल्टीखुल्टी ओ बर्षातके समयमे खटहामे पानी जम्ना समस्यासे यात्रुहे असहज हुइल बा । कहोँरो पानी भरल गहिर खटहा, कहोँरो बिछ्हुल मोडसे यात्रुहे हैरान किल बनाइल नैहो, बिरामीनके लाग टे 'सडक' अपनहे रोग बने लागल बा ।

जयपृथ्वी राजमार्गके जालेबगर, बालुवाटार, भ्यागुते खोलुला लगायत ढेर ठाउँमे हिँउदमे सुख्खा पहिरो ओ वर्षातके बेला पहिरो गिरेबर बेलाबेलामे सडक अवरुद्ध हुइना करल बा ।

विश्व बैंकके आर्थिक सहयोगमे करिब ३० करोड रुपियाँ खर्च कैके कालोपत्रे करल यी सडक काम सम्पन्न नैहुइटी बिग्रल बा । ओटासिल प्रविधिमे करल कालोपत्रे स्थानीय 'गुणस्तरहीन' रहल कहटी ठेकेदार ओ आयोजना कार्यालयउपर प्रत्यक्ष आरोप लगैले बटै ।

स्थानीयके अनुसार सडक बनुइया ठेकेदार ओ सरकारी कर्मचारी हाली मुनाफा कमैनामे ध्यान डेहल कारण सडकके यी अवस्था हुइल हो । बर्सेनि करोडौं बजेट विनियोजन हुइना करलेसे फेन काम समयमे नैहोके समस्या झन बनल हो । यी सडकके कारण यात्रु किल नैहोके, चालक ओ गाडी व्यवसायी फेन हैरान बटै ।

गाडीके पाटपुर्जा बिग्रना, हर्न काम नैकैना, इन्जिन साथ नैडेना सामान्य बनसेकल बा । यातायात व्यवसायी चक्र बोहराके अनुसार, बागथलासे चैनपुर पुग्ना डेढ घण्टा लग्ना डगरा अब्बे ५ घण्टा लागठ् ।

स्थानिय दीपकराज जोशी कहलै, निर्वाचित सांसदहे सडकके अवस्था सुढारक लाग कहिगैल, मने कोइ वास्ता नैकरलै । नेताहुक्रे चासो नैडेखैना, ठेकेदारके मनपरीके कारण आम जनता सास्ती खेपे परल उहाँके कहाइ रहल बा । जयपृथ्वी राजमार्गके बागथला–चैनपुर खण्ड जनताके लाग कष्टके प्रतीक बनल बा । ठेकेदार, आयोजनाके उदासीनता, राजनीतिक बेवास्ता ओ प्राविधिक कमजोरीके समष्टि परिणाम अब्बे जनताके दु:खमे परिणत हुइल बा ।

सरकारसे रणनैतिक सडक पुल निर्माण, सडक पूर्वाधार विकास कार्यक्रम, राजमार्ग स्तरोन्नति तथा पुन:स्थापना कार्यक्रमलगायत टमान योजनामार्फत करोडौं रुपियाँ खर्च करटी रलेसे फेन उहे अनुसारके प्रभावकारी कार्यान्वयन हुइ सेकल नैहो । सडक पूर्वाधारके अइसीन अवस्था जारी रहेबर बभाङके बासिन्दा दैनिक सास्ती भोग्ना बाध्य रहल बटै ।

सडक डिभिजन कार्यालयके बैतडीका निमित्त प्रमुख लक्ष्मणादत्त जोशी खटहीखटहा भाँठक लाग तथा सडक मर्मतके लाग आगामी बजेटमे समावेश करल ओ सावन महिनामे ठेक्का प्रक्रिया आघे बह्रैना काम हुइल बटैलै ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिंड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिंड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Kailali Hospital Pvt. Ltd. 2070

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

Empowering Futures through Technical Excellence !

CTEVT

Admission Open!

Certificate in
Medical Lab Technology
Three-Year Diploma Program

30 Seats Only

Entry Requirement
- Min. 2.0 GPA in SEE or equivalent with grades in compulsory mathematics, science, and English. Or
- TSLC in Medical Laboratory Technology with 68.33%

Career Opportunities
- Hospitals and clinics
- Diagnostic and research laboratories
- Blood banks
- Pharmaceutical and biotech industries
- Self-employment in medical labs
- Government jobs

Further Studies and Career
- Bachelor in Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Science in Laboratory Medicine
- Bachelor of Public Health (BPH)
- Bachelor of Pharmacy (BPharm)
- Bachelor of Nursing (BSc Nursing)
- B.Sc. in Microbiology/Biochemistry/Biotechnology

Contact Us
ATTARIYA TECHNICAL COLLEGE
GODAWARI-2, ATTARIYA, KAILALI
091-551286 | 9848412999
9742410357 | 9841672834
attariyatc@gmail.com